NaiDuniya (Indore), 17th April 2026, Page-Plus 02

भोजशाला मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता ने तर्क रखने के लिए समय लिया, आज फिर सुनवाई

इंदौर: धार भोजशाला मामले में गुरुवार को याचिकाकर्ता अंतरसिंह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एके चितले को तर्क रखना था, लेकिन उन्होंने इसके लिए समय ले लिया। कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई करेगा। गुरुवार को कोर्ट ने याचिकाओं में इंटरविनर बने सभी पक्षकारों से कहा कि वे अपने तर्क तैयार रखें।

हाई कोर्ट में भोजशाला को लेकर चार याचिकाएं और एक अपील चल रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद हाई कोर्ट 6 अप्रैल से नियमित सुनवाई कर रही है। दो याचिकाकर्ता हिंदू फ्रंट फार जस्टिस और कुलदीप तिवारी की ओर से एडवोकेट विष्णुशंकर जैन और एडवोकेट मनीष गुप्ता तर्क रख चुके हैं। गुरुवार को याचिकाकर्ता अंतरसिंह की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता को तर्क रखना था।

याचिकाकर्ता मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद पैरवी कर रहे हैं। पिछली सुनवाई पर उन्होंने कोर्ट को जानकारी दी थी कि वे सोमवार तक उपलब्ध नहीं हैं। इस पर कोर्ट ने उनसे कहा था कि वे मंगलवार को अपने तर्क रख दें। काजी जकुल्ला की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन पैरवी कर रही हैं। उन्होंने कोर्ट से 27 और 28 अप्रैल को अपीलार्थी की ओर से तर्क रखने की अनुमति ली है।

आइआइटी में दो नए बीटेक कोर्स, जुलाई से प्रवेश

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर (आइआइटी) ने तकनीकी शिक्षा से जुड़े नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत की है, जिसमें एन्वायरनमेंटल इकोनामिक्स और सस्टेनेबल इंजीनियरिंग (ईईएसई) में बीटेक रखा गया है। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को जुलाई 2026 से दाखिला दिया जाएगा। खास बात यह है कि पहली बैच होने के चलते संस्थान ने सीमित सीटें रखी हैं। महज 30 सीटों पर छात्रों के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक जेईई एडवांस्ड प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों का चयन होगा।

आइआइटी इंदौर का यह पहला अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रम है, जिसमें इंजीनियरिंग क्लाइमेट साइंस और एन्वायरनमेंटल इकोनामिक्स को साथ में जोड़ा गया है। इससे मेहता फैमिली स्कूल आफ सस्टेनेबलिटी के अंतर्गत पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। केंद्र की स्थापना 2025 में की गई थी। अधिकारियों के मुताबिक इन पाठ्यक्रम के सिलेबस में तीन प्रमुख क्षेत्रों पर आधारित विषय होंगे। इसमें एन्वायरनमेंटल इकोनामिक्स एंड पालिसी, एनर्जी सिस्टम्स एंड बैटरी टेक्नोलाजी, वाटर एंड क्लाइमेट सिस्टम्स शामिल हैं। इन तीनों क्षेत्रों को अलग-

- एन्वायरनमेंटल इकोनामिक्स और सस्टेनेबल इंजीनियरिंग में 30 सीटें
- जेईई एडवांस्ड प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से होगा छात्रों का चयन

अलग पढ़ाने के बजाए एक साथ जोड़कर पढ़ाया जाएगा ताकि छात्र वास्तविक जीवन की समस्याओं को बेहतर तरीके से समझ सकें और समाधान निकाल सकें। निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने बताया कि जलवायु संकट तेजी से बढ़ रहा है और ऐसे में ऐसे विशेषज्ञों की जरूरत है जो वैज्ञानिक समझ के साथ नीति निर्माण में भी योगदान दे सकें। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रीति शर्मा का कहना है कि यह कार्यक्रम छात्रों को सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रखेगा, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप के जरिए वास्तविक अनुभव भी देगा।

इंटर्नशिप का मिलेगा मौका: इस कोर्स में छात्रों को डेटा एनालिसिस, सिस्टम माडलिंग, पर्यावरण निगरानी और निर्णय लेने जैसी जरूरी स्किल्स सिखाई जाएंगी। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा, मैन्युफैक्चरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा। इस पहल को मेहता फैमिली फाउंडेशन का सहयोग भी प्राप्त है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर की विशेषज्ञता को शामिल किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक करियर के लिहाज से यह कोर्स काफी फायदेमंद माना जा रहा है। इसके बाद छात्र क्लाइमेट टेक्नोलाजी, ग्रीन फाइनेंस, ईएसजी रणनीति, पालिसी एडवाइजरी और सतत इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

एसजीएसआइटीएस में शुरू होंगे दो नए कोर्स

इंदौर: एसजीएसआइटीएस में अगले शैक्षणिक सत्र से छात्रों के लिए दो नए कोर्स शुरू होंगे। इनमें बीटेक रोबोटिक्स एंड एआइ और बैचलर आफ डिजाइन शामिल हैं। दोनों कोर्स को आल इंडिया काउंसिल फार टेक्नीकल एजुकेशन (एआइसीटीई) की तरफ से मंजूरी मिल चुकी है, जिससे संस्थान को इन्हें शुरू करने की औपचारिक अनुमति मिल गई है। संस्थान द्वारा शुरू किए जा रहे बीटेक रोबोटिक्स एंड एआइ कोर्स में 60 सीटें तय की गई हैं।

बैचलर आफ डिजाइन कोर्स में 30 सीटों पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। इन नए कोर्स को मई से शुरू होने वाली प्रवेश प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा, जिससे छात्र सीधे इन क्षेत्रों में अपना करियर बना सकेंगे।

दोनों कोर्स का सिलेबस आधुनिक जरूरतों के अनुसार तैयार किया जा रहा है। रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय आज के समय में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और इनकी मांग भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में यह कोर्स छात्रों को नई तकनीकों की बेहतर समझ देगा और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करेगा। वहीं बैचलर आफ डिजाइन कोर्स उन छात्रों के लिए उपयोगी होगा जो रचनात्मक क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं।

संस्थान ने यह भी तय किया है कि इन कोर्स की पढ़ाई को आसान बनाने के लिए सिलेबस और किताबें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे छात्रों को पढ़ाई में ज्यादा सुविधा मिलेगी और वे विषय को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। कोर्स की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एआइसीटीई के मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। हाल ही में इस संबंध में बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक भी हुई थी, जिसमें विशेषज्ञों ने सिलेबस और पढ़ाई के स्तर पर चर्चा की। उद्देश्य यह है कि छात्रों को बेहतर शिक्षा और व्यावहारिक ज्ञान मिल सके। डायरेक्टर डा. नीतेश पुरोहित का कहना है कि 2026-27 सत्र से दोनों कोर्स में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।